उच्च माध्यमिक स्तर के बालकों के आकांक्षा स्तर का उनके जोखिम पूर्ण व्यवहार पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन

डॉ0सुधीर कुमार

असिस्टेन्ट प्रोफेसर, शिक्षा विभाग,महाराणा प्रताप राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय,हरदोई, (उ0प्र0)

सारांश

प्रस्तुत शोध में उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के बालकों के जोखिम पूर्ण व्यवहार का अध्ययन निम्न आकांक्षा स्तर, औसत आकांक्षा स्तर व उच्च आकांक्षा स्तर के सन्दर्भ में किया गया है। अध्ययन में न्यादर्श के रूप में जनपद मैनपुरी के 300 बालकों को सम्मिलित किया गया है। बालकों के जोखिमपूर्ण व्यवहार को ज्ञात करने हेतु डॉ0 वीरेन्द्र सिन्हा व डॉ0 प्रेमनाथ अरोरा (1982) द्वारा निर्मित "जोखिमपूर्ण व्यवहार प्रश्नावली (RTQ)" तथा आकांक्षा स्तर को ज्ञात करने हेतु डॉ0 महेश भार्गव एवं प्रोफेसर एम0ए0 शाह द्वारा निर्मित "आकांक्षा स्तर का मापन (LOA)" का उपयोग किया गया है। प्राप्तांकों का विश्लेषण मध्यमान, मानक विचलन, क्रान्तिक अनुपात व एनोवा की मदद से किया गया है। अध्ययन में पाया गया कि निम्न आकांक्षा स्तर, औसत आकांक्षा स्तर व उच्च आकांक्षा स्तर के बालकों के जोखिम पूर्ण व्यवहार में अन्तर है और यह भी पाया गया कि निम्न आकांक्षा स्तर, औसत आकांक्षा स्तर व उच्च आकांक्षा स्तर का बालकों के जोखिम पूर्ण व्यवहार पर सार्थक प्रभाव पड़ता है।

संकेत शब्द *– उच्च माध्यमिक स्तर, जोखिम पूर्ण व्यवहार तथा आकांक्षा स्तर।*

प्रस्तावना :–

प्राचीन मानव का अस्तित्व ही जोखिम पर टिका हुआ था। प्रागैतिहासिक काल में मनुष्य कष्टपूर्ण एवं छोटा जीवन व्यतीत करते थे क्योंकि भोजन और आश्रय की तलाश में उन्हें हमेशा जोखिम उठाना पड़ता था। उस समय जीवन में जानवरों के द्वारा मारे जाने, खराब मौसम का भय बना रहता था। कभी–कभी तो भोजन न प्राप्त होने के कारण वो भूख से ही मर जाते थे। पानी के जहाज का आविष्कार हो जाने से मानव के लिये जोखिम एक नया स्रोत बन गया। अब जहाजों से यात्रा, लूटमार, जहाजों के डूबने का जोखिम होने लगा। जहाज के द्वारा विदेशों में व्यापार भी होने लगा। लोग जहाज से ही दूर–दूर तक जाते थे और मार्ग में पड़ने वाले जोखिमों का सामना करते थे। पिछली कुछ शताब्दियों में वित्तीय साधनों, बाजारों के आगमन व व्यापार में लाभ और आर्थिक विकास की चाहत ने मानव को और भी जोखिम लेने के लिये प्रेरित किया। जोखिम पूर्ण व्यवहार एक मनोवैज्ञानिक चर है जो कि सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक चरों से प्रभावित होता है जैसे उम्र, लिंग, वैवाहिक स्थिति, सामाजिक–आर्थिक स्तर, माता–पिता का समर्थन, व्यक्तित्व के गुण, मूल्य, स्वभाव, उपलब्धि प्रेरणा, आकांक्षा स्तर आदि। प्रत्येक व्यक्ति अपने कुछ न कुछ लक्ष्य निर्धारित करता है जिन्हें वह प्राप्त करना चाहता है या प्राप्त करने की लालसा रखता है यह आवश्यक नहीं होता है कि जो व्यक्ति आकांक्षा स्तर निर्धारित करता है वह उन्हें प्राप्त ही कर ले, वह असफल भी हो सकता है। लक्ष्यों का निर्धारण कई प्रयोगों के द्वारा होता है। इन प्रयोगों में आकांक्षा स्तर एक महत्वपूर्ण सम्प्रत्यय है जो लक्ष्य को निर्धारित करता है। जो कि व्यक्ति की पहुँच के अन्तर्गत होता है। व्यक्ति सदैव उच्च लक्ष्य निर्धारित करता है इसलिए वह लक्ष्य को प्राप्त करने में कभी–कभी असफल हो जाता है। **जेम्स ड्रेवर (1956) के अनुसार** ''आकांक्षा स्तर का अर्थ है एक व्यक्ति की अपने अनुभवों के द्वारा सफलता तथा असफलता की प्राप्ति।'' किशोरावस्था में बालकों का आकांक्षा स्तर अत्यन्त उच्च स्तर पर होता है जिसमें वह एक नायक या कार्य को अपना आदर्श बना लेते हैं और उसे पाने के लिए, उस जैसा बनने की कोशिश करते हैं। उसी प्रकार अभिभावकों की उससे कुछ आकांक्षायें एवं

आशायें होती है। इसके सन्दर्भ में व्यक्ति अक्सर विभिन्न प्रकार के निर्णय लेता है और इसी निर्णय लेने की प्रक्रिया में जोखिम पूर्ण व्यवहार शामिल होता है। अपरिपक्व विद्यार्थी निर्णय करने में चूक जाते है जिसके परिणाम आत्महत्या, घर से भाग जाना, विद्रोह करना आदि के रूप में प्राप्त होते हैं। ***Roeser, K. A. (2013)*** ने किशोरों के जोखिमपूर्ण व्यवहार में व्यक्तिगत तथा सामाजिक कारकों का अध्ययन किया। अध्ययन के निष्कर्ष में लिंग का प्रभाव जोखिमपूर्ण व्यवहार पर पाया गया। ***Malik, U. & yogesh, (2014)*** ने उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य जोखिमपूर्ण व्यवहार का आत्मविश्वास पर प्रभाव का अध्ययन किया। अध्ययन के निष्कर्षों में पाया गया कि छात्राओं के आत्मविश्वास का उनके जोखिमपूर्ण व्यवहार पर प्रभाव पड़ता है, परन्तु छात्रों के जोखिमपूर्ण व्यवहार पर उनके आत्मविश्वास का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। ***Venkateswarlu, N.(2016)*** ने उच्च माध्यामिक स्तर के विद्यार्थियों में आकांक्षा स्तर का अध्ययन किया व पाया कि छात्र एवं छात्राओं के आकांक्षा स्तर में कोई अन्तर नहीं है। ***Kumar, S. & Gupta, M. (2014)*** ने अध्ययन के निष्कर्षों में पाया गया कि गैर सरकारी विद्यालयों के छात्रों का आकांक्षा स्तर सरकारी विद्यालयों की अपेक्षा अच्छा है। ***Pathak, S. N. (2014)*** ने कालेज के विद्यार्थियों के आंकाक्षा स्तर तथा उपलब्धि अभिप्रेरणा का अध्ययन किया और पाया गया कि छात्र तथा छात्राओं के आंकाक्षा स्तर में सार्थक अन्तर है। ***Rajesh V. R. & Chandrasekaran, V. (2014)*** ने हाईस्कूल के विद्यार्थियों की शैक्षिक आकांक्षा का अध्ययन किया और पाया कि लिंग, निवास स्थान तथा परिवार के प्रकार के आधार पर शैक्षिक आकांक्षा स्तर में सार्थक अन्तर है। ***Abdelrazak, O. H. G. (2016)*** ने नजरान विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के आकांक्षा स्तर का अभिप्रेरणा पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया और पाया गया कि आकांक्षा स्तर तथा अभिप्रेरणा में सार्थक सह सम्बन्ध है।

उपरोक्त शोध साहित्य के अध्ययन से प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर कहा जा सकता है कि बालक के विकास में आकांक्षा स्तर व जोखिमपूर्ण व्यवहार की महत्वपूर्ण भूमिका होती है आकांक्षा स्तर व जोखिमपूर्ण व्यवहार के द्वारा ही निर्धारित होता है कि बालकों का विकास उसके जीवन की विभिन्न परिस्थितियों में किस प्रकार होगा। प्रस्तुत अध्ययन के द्वारा बालकों के आकांक्षा स्तर की स्थिति ज्ञात की गयी है तथा यह भी ज्ञात किया गया है कि निम्न आकांक्षा स्तर, औसत आकांक्षा स्तर व उच्च आकांक्षा स्तर का उनके जोखिमपूर्ण व्यवहार पर क्या प्रभाव पड़ रहा है।

शोध प्रश्न :–

- उच्च माध्यमिक स्तर के बालकों का आकांक्षा का स्तर क्या है?
- उच्च माध्यमिक स्तर के बालकों में विभिन्न आकांक्षा स्तरों पर जोखिम पूर्ण व्यवहार की स्थिति क्या है?
- उच्च माध्यमिक स्तर के बालकों के विभिन्न आकांक्षा स्तरों का उनके जोखिम पूर्ण व्यवहार पर क्या प्रभाव पड़ता है?

अध्ययन के उद्देश्य :–

1. उच्च माध्यमिक स्तर के बालकों के आकांक्षा स्तर का अध्ययन कर उनके जोखिम पूर्ण व्यवहार की स्थिति ज्ञात करना।
2. उच्च माध्यमिक स्तर के बालकों के उच्च आकांक्षा स्तर, औसत आकांक्षा स्तर व निम्न आकांक्षा स्तर का उनके जोखिम पूर्ण व्यवहार पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।

परिकल्पना :–

1. उच्च माध्यमिक स्तर के बालकों के उच्च आकांक्षा स्तर, औसत आकांक्षा स्तर व निम्न आकांक्षा स्तर के आधार पर उनके जोखिम पूर्ण व्यवहार में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

परिसीमांकन :–

प्रस्तुत शोध अध्ययन केवल उत्तर प्रदेश के जनपद मैनपुरी तक सीमित है तथा इस शोध अध्ययन में केवल उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद् इलाहाबाद (उ0प्र0) एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद् नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त कक्षा 11 व 12 के बालकों को ही सम्मिलित किया गया है।

शोध विधि :–

प्रस्तुत शोध अध्ययन में वर्णनात्मक शोध की सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

समष्टि :–

जनपद मैनपुरी के माध्यमिक स्तर के समस्त बालक इस अध्ययन की समष्टि है।

प्रतिदर्श एवं प्रतिदर्श चयन विधि :–

इस अध्ययन हेतु 300 उच्च माध्यमिक स्तर के बालक प्रतिदर्श के रुप में है, जिसमें 150 बालक ग्रामीण व 150 बालक नगरीय सम्मिलित हैं। प्रस्तुत शोध कार्य के लिये शोधकर्त्ता द्वारा उत्तर प्रदेश के जनपद मैनपुरी की 5 तहसीलों (करहल, भोगॉव, घिरोर, किशनी तथा मैनपुरी) में से साधारण यादृच्छीकृत प्रतिदर्शन विधि का प्रयोग कर तीन तहसीलों करहल, भोगॉव तथा मैनपुरी का चयन किया गया है, तत्पश्चात् इन तहसीलों के उच्च माध्यमिक विद्यालयों में से साधारण यादृच्छीकृत प्रतिदर्शन विधि का प्रयोग कर 10 विद्यालयों चयन किया गया है। तत्पश्चात् स्तरित यादृच्छीकृत प्रतिदर्शन विधि का प्रयोग कर 300 बालकों का चयन प्रतिदर्श के रूप में किया गया है।

शोध उपकरण :–

उच्च माध्यमिक स्तर के बालकों के जोखिमपूर्ण व्यवहार को ज्ञात करने हेतु डॉ0 वीरेन्द्र सिन्हा व डॉ0 प्रेमनाथ अरोरा (1982) द्वारा निर्मित *"जोखिमपूर्ण व्यवहार प्रश्नावली (RTQ)"* तथा आकांक्षा स्तरों को निर्धारित करने हेतु डॉ0 महेश भार्गव एवं प्रोफेसर एम0ए0 शाह द्वारा निर्मित *"आकांक्षा स्तर का मापन (LOA)"* का उपयोग किया गया है।

सांख्यिकीय तकनीक :–

उपकरण से प्राप्त प्राप्तांकों को विभिन्न तालिकाओं में व्यवस्थित कर उनका विश्लेषण, MS office excel की सहायता से मध्यमान, मानक विचलन, क्रान्तिक अनुपात व एनोवा की गणना कर व्याख्या की गयी है।

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं परिणामों की व्याख्या :–

विश्लेषण –1 :– अध्ययन के प्रथम उद्देश्य *" उच्च माध्यमिक स्तर के बालकों के आकांक्षा स्तर का अध्ययन कर उनके जोखिम पूर्ण व्यवहार की स्थिति ज्ञात करना"* के लिए मध्यमान ज्ञात किया गया है, तालिका संख्या–1 में आकांक्षा स्तर मापनी पर कुल 300 बालकों में से उच्च आकांक्षा स्तर वाले बालकों की संख्या 75 व उनके जोखिम पूर्ण व्यवहार का मध्यमान 163.80, औसत आकांक्षा स्तर वाले बालकों की संख्या 189 व उनके जोखिम पूर्ण व्यवहार का मध्यमान 147.62 व निम्न आकांक्षा स्तर वाले बालकों की संख्या 36 व उनके जोखिम पूर्ण व्यवहार का मध्यमान 127.64 है। परिणाम से प्राप्त उच्च आकांक्षा स्तर, औसत आकांक्षा स्तर व निम्न आकांक्षा स्तर के बालकों के जोखिमपूर्ण व्यवहार के मध्यमान का मान इंगित करता है कि उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के सभी बालकों का जोखिमपूर्ण व्यवहार समान नहीं है।

तालिका संख्या–1

उच्च, औसत व निम्न आकांक्षा स्तर रखने वाले उच्च माध्यमिक स्तर के बालकों के जोखिम पूर्ण व्यवहार का मध्यमान

बालकों का आकांक्षा स्तर	बालकों की संख्या	बालकों के जोखिमपूर्ण व्यवहार का मध्यमान
उच्च	75	163.80
औसत	189	147.62
निम्न	36	127.64

परिणाम की विवेचना :– उपरोक्त परिणाम इंगित करते हैं उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के सभी बालकों का जोखिमपूर्ण व्यवहार समान नहीं है इसके मुख्य कारण बालकों की संस्कृति, सामाजिक मूल्य, ग्रामीण परिवार, विभिन्न प्रकार की धार्मिक पृष्ठभूमि, अभिप्रेरणा स्तर, आकांक्षा स्तर तथा व्यक्तित्व में विभिन्नता इत्यादि रहे हैं।

विश्लेषण –2 अध्ययन के द्वितीय उद्देश्य – *"उच्च माध्यमिक स्तर के बालकों के उच्च आकांक्षा स्तर, औसत आकांक्षा स्तर व निम्न आकांक्षा स्तर का उनके जोखिम पूर्ण व्यवहार पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।"* के अन्तर्गत परिकल्पना **"उच्च माध्यमिक स्तर के बालकों के उच्च आकांक्षा स्तर, औसत आकांक्षा स्तर व निम्न आकांक्षा स्तर के आधार पर उनके जोखिम पूर्ण व्यवहार में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।"** का निरूपण किया गया है। इस परिकल्पना के सत्यापन हेतु 300 बालकों से प्राप्त आँकड़ों के आधार पर 75 बालकों का आकांक्षा स्तर उच्च, 189 बालकों का आकांक्षा स्तर औसत व 36 बालकों का आकांक्षा स्तर निम्न है, जिसके आधार पर जोखिमपूर्ण व्यवहार का विश्लेषण **एफ (F) परीक्षण** की मदद से किया गया है, विश्लेषण से प्राप्त परिणामों को तालिका संख्या–2 में प्रदर्शित किया गया है–

तालिका संख्या–2

उच्च, औसत व निम्न आकांक्षा स्तर रखने वाले उच्च माध्यमिक स्तर के बालकों के जोखिम पूर्ण व्यवहार पर प्राप्त 'F' मान

आकांक्षा स्तर	*N*	मध्यमान	*Source of Variation*	*SS*	*df*	*MS*	F
उच्च	75	163.80	**Between Groups**	33190.50	2	16595.25	46.66 .05 सार्थकता स्तर पर **सार्थक**
औसत	189	147.62	**Within Groups**	105640.60	297	355.69	
निम्न	36	127.64	**Total**	138831.10	299		

***0.05 सार्थकता स्तर पर 'F' का सारणी मान = 3.01**

परिणाम की व्याख्या :– उपरोक्त तालिका संख्या–2 में उच्च, औसत व निम्न आकांक्षा स्तर रखने वाले उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के बालकों के जोखिमपूर्ण व्यवहार का मध्यमान क्रमशः 163.80, 147.62 व 127.64 है तथा प्राप्त 'F' का मान 46.66 है यह प्राप्त मान .05 सार्थकता स्तर पर सारणी मान से अधिक है, अतः प्राप्त 'F' का मान सार्थक है। परिणाम से प्राप्त 'F' का मान इंगित करता है कि उच्च, औसत व निम्न आकांक्षा स्तर रखने वाले उच्च माध्यमिक स्तर के बालकों के जोखिमपूर्ण व्यवहार में महत्वपूर्ण अन्तर व्याप्त है, क्योंकि प्राप्त 'F' का मान सार्थक पाया गया है अतः परिकल्पना Ho_2 अस्वीकार की जाती है। परिणाम में विभिन्न आकांक्षा स्तरों के बालकों के जोखिमपूर्ण व्यवहार में अन्तर सार्थक है। जिससे पता चलता है कि उच्च माध्यमिक स्तर के बालकों के आकांक्षा स्तर का उनके जोखिम पूर्ण व्यवहार पर सार्थक प्रभाव पड़ता है।

उक्त परिणाम से मात्र यह पता चला है उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के बालकों के आकांक्षा स्तर का उनके जोखिम पूर्ण व्यवहार पर सार्थक प्रभाव पडता है किन्तु आकांक्षा के तीन स्तरों में से किस स्तर के आधार पर जोखिमपूर्ण व्यवहार में अन्तर सार्थक है तथा किस स्तर के आधार पर सार्थक नहीं है अतः शोधकर्ता ने और गहन अध्ययन करने हेतु उक्त परिणाम के अर्न्तगत निम्नलिखित उद्देश्य का पुनः निर्माण किया और यह जानने का प्रयास किया कि किस आकांक्षा स्तर का जोखिमपूर्ण व्यवहार पर सार्थक प्रभाव पड़ रहा है –

उप–उद्देश्य –

2(A) उच्च व औसत आकांक्षा स्तर रखने वाले उच्च माध्यमिक स्तर के बालकों के जोखिमपूर्ण व्यवहार का अध्ययन करना।

2(B) उच्च व निम्न आकांक्षा स्तर रखने वाले उच्च माध्यमिक स्तर के बालकों के जोखिमपूर्ण व्यवहार का अध्ययन करना।

2(C) औसत व निम्न आकांक्षा स्तर रखने वाले उच्च माध्यमिक स्तर के बालकों के जोखिमपूर्ण व्यवहार का अध्ययन करना।

उप–परिकल्पनाएँ – उपरोक्त शोध उद्देश्यों की पूर्ति हेतु निम्न शून्य परिकल्पनाओं का निरूपण किया गया–

2(A) उच्च व औसत आकांक्षा स्तर रखने वाले उच्च माध्यमिक स्तर के बालकों के जोखिमपूर्ण व्यवहार में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

2(B) उच्च व निम्न आकांक्षा स्तर रखने वाले उच्च माध्यमिक स्तर के बालकों के जोखिमपूर्ण व्यवहार में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

2(C) औसत व निम्न आकांक्षा स्तर रखने वाले उच्च माध्यमिक स्तर के बालकों के जोखिमपूर्ण व्यवहार में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

विश्लेषण –3 :– अध्ययन के उद्देश्य संख्या 2(A)*" उच्च व औसत आकांक्षा स्तर रखने वाले उच्च माध्यमिक स्तर के बालकों के जोखिमपूर्ण व्यवहार का अध्ययन करना।"* के अन्तर्गत परिकल्पित परिकल्पना $Ho_{2(A)}$ **"उच्च व औसत आकांक्षा स्तर रखने वाले उच्च माध्यमिक स्तर के बालकों के जोखिमपूर्ण व्यवहार में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।"** का सत्यापन क्रान्तिक अनुपात (CR) के आधार पर किया गया है, तालिका संख्या–2(A) में आकांक्षा स्तर मापनी पर प्राप्त 75 उच्च आकांक्षा स्तर एवं 189 औसत आकांक्षा स्तर के बालकों के जोखिमपूर्ण व्यवहार का मध्यमान क्रमशः 163.80 व 147.62, मानक विचलन क्रमशः 18.24 व

17.05 तथा क्रान्तिक अनुपात (CR) का मान स्वतंत्रता स्तर 262 पर मान 6.81है, यह प्राप्त मान .05 सार्थकता स्तर पर सारणी मान से अधिक है अतः क्रान्तिक अनुपात (CR) का मान सार्थक है। अतः उच्च व औसत आकांक्षा स्तर वाले बालकों के जोखिमपूर्ण व्यवहार में अन्तर सार्थक है, दोनों चरों में अन्तर सार्थक होने के कारण शून्य परिकल्पना "उच्च व औसत आकांक्षा स्तर रखने वाले उच्च माध्यमिक स्तर के बालकों के जोखिमपूर्ण व्यवहार में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।" को अस्वीकृत किया जाता है।

तालिका संख्या 2(A)
उच्च व औसत आकांक्षा स्तर रखने वाले उच्च माध्यमिक स्तर के बालकों के जोखिमपूर्ण व्यवहार पर प्राप्त क्रान्तिक अनुपात (CR) मान

आकांक्षा स्तर	बालकों की संख्या	जोखिमपूर्ण व्यवहार का मध्यमान	जोखिमपूर्ण व्यवहार का मानक विचलन	df	'CR' मान	.05 सार्थकता स्तर पर निष्कर्ष
उच्च	75	163.80	18.24	262	6.81	सार्थक
औसत	189	147.62	17.05			

***0.05 सार्थकता स्तर पर 'CR' का सारणी मान = 1.96**

परिणाम की विवेचना :– उपरोक्त परिकल्पना के सत्यापन के पश्चात् परिणाम इंगित करते है कि उच्च तथा औसत आकांक्षा स्तर रखने वाले बालकों के जोखिमपूर्ण व्यवहार में सार्थक अन्तर व्याप्त है। उच्च आकांक्षा स्तर रखने वाले बालकों का जोखिमपूर्ण व्यवहार, औसत आकांक्षा स्तर रखने वाले बालकों के जोखिमपूर्ण व्यवहार से अधिक है। जो कि प्रेरणा का स्तर, आकांक्षा स्तर, तार्किक चिन्तन, स्वास्थ्य, सामान्य जानकारी, आत्म मूल्यांकन व आत्म प्रदर्शन, आत्म उन्नति का प्रभाव, नेतृत्व क्षमता का प्रभाव, बौद्धिक स्तर, सामाजिक गतिविधियों की समझ, कार्यक्षमता का होना, उपलब्धि, विकास व प्रदर्शन के लिये प्रयासरत रहना, मित्र समूह, अत्यधिक पाने की चाह, स्वतन्त्रता, प्रतिस्पर्धात्मक प्रवृत्ति, जीवन शैली, शिक्षा व व्यवसाय के प्रति चिन्ता इत्यादि पर निर्भर करता है।

विश्लेषण –4 :– अध्ययन के उद्देश्य संख्या 2(B)*" उच्च व निम्न आकांक्षा स्तर रखने वाले उच्च माध्यमिक स्तर के बालकों के जोखिमपूर्ण व्यवहार का अध्ययन करना।"* के अन्तर्गत परिकल्पित परिकल्पना $Ho_{2(B)}$ **"उच्च व निम्न आकांक्षा स्तर रखने वाले उच्च माध्यमिक स्तर के बालकों के जोखिमपूर्ण व्यवहार में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।"** का सत्यापन क्रान्तिक अनुपात (CR) के आधार पर किया गया है, तालिका संख्या–2(B) में आकांक्षा स्तर मापनी पर प्राप्त 75 उच्च आकांक्षा स्तर एवं 36 निम्न आकांक्षा स्तर के बालकों के जोखिमपूर्ण व्यवहार का मध्यमान क्रमशः 163.80 व 127.64, मानक विचलन क्रमशः 18.24 व 27.45 तथा क्रान्तिक अनुपात (CR) का मान स्वतंत्रता स्तर 109 पर मान 8.25 है, यह प्राप्त मान .05 सार्थकता स्तर पर सारणी मान से अधिक है अतः क्रान्तिक अनुपात (CR) का मान सार्थक है। अतः उच्च व निम्न आकांक्षा स्तर वाले बालकों के जोखिमपूर्ण व्यवहार में अन्तर सार्थक है, दोंनों चरों में अन्तर सार्थक होने के कारण शून्य परिकल्पना "उच्च व निम्न आकांक्षा स्तर रखने वाले उच्च माध्यमिक स्तर के बालकों के जोखिमपूर्ण व्यवहार में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।" को अस्वीकृत किया जाता है।

तालिका संख्या 2(B)

उच्च व निम्न आकांक्षा स्तर रखने वाले उच्च माध्यमिक स्तर के बालकों के जोखिमपूर्ण व्यवहार पर प्राप्त क्रान्तिक अनुपात (CR) मान

आकांक्षा स्तर	बालकों की संख्या	जोखिमपूर्ण व्यवहार का मध्यमान	जोखिमपूर्ण व्यवहार का मानक विचलन	df	'CR' मान	.05 सार्थकता स्तर पर निष्कर्ष
उच्च	75	163.80	18.24	109	8.25	सार्थक
निम्न	36	127.64	27.45			

***0.05 सार्थकता स्तर पर 'CR' का सारणी मान = 1.96**

परिणाम की विवेचना :– उपरोक्त परिकल्पना के सत्यापन के पश्चात् परिणाम इंगित करते है कि उच्च तथा निम्न आकांक्षा स्तर रखने वाले बालकों के जोखिमपूर्ण व्यवहार में सार्थक अन्तर व्याप्त है। उच्च आकांक्षा स्तर रखने वाले बालकों का जोखिमपूर्ण व्यवहार, निम्न आकांक्षा स्तर रखने वाले बालकों के जोखिमपूर्ण व्यवहार से अधिक है। जो कि प्रेरणा का स्तर, आकांक्षा स्तर, सामाजिक गतिविधियों की समझ, कार्यक्षमता का होना, उपलब्धि, विकास व प्रदर्शन के लिये प्रयासरत रहना, मित्र समूह, अत्यधिक पाने की चाह, स्वतन्त्रता, प्रतिस्पर्धात्मक प्रवृत्ति, जीवन शैली, शिक्षा व व्यवसाय के प्रति चिन्ता इत्यादि पर निर्भर करता है।

विश्लेषण –5 :– अध्ययन के उद्देश्य संख्या 2(C) *" औसत व निम्न आकांक्षा स्तर रखने वाले उच्च माध्यमिक स्तर के बालकों के जोखिमपूर्ण व्यवहार का अध्ययन करना।"* के अन्तर्गत परिकल्पित परिकल्पना $Ho_{2(C)}$ **"औसत व निम्न आकांक्षा स्तर रखने वाले उच्च माध्यमिक स्तर के बालकों के जोखिमपूर्ण व्यवहार में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।"** का सत्यापन क्रान्तिक अनुपात (CR) के आधार पर किया गया है, तालिका संख्या–2(C) में आकांक्षा स्तर मापनी पर प्राप्त 189 औसत आकांक्षा स्तर एवं 36 निम्न आकांक्षा स्तर के बालकों के जोखिमपूर्ण व्यवहार का मध्यमान क्रमशः 147.62 व 127.64, मानक विचलन क्रमशः 17.05 व 27.45 तथा क्रान्तिक अनुपात (CR) का मान स्वतंत्रता स्तर 223 पर मान 5.77 है, यह प्राप्त मान .05 सार्थकता स्तर पर सारणी मान से अधिक है अतः क्रान्तिक अनुपात (CR) का मान सार्थक है। अतः औसत व निम्न आकांक्षा स्तर वाले बालकों के जोखिमपूर्ण व्यवहार में अन्तर सार्थक है, दोनों चरों में अन्तर सार्थक होने के कारण शून्य परिकल्पना औसत व निम्न आकांक्षा स्तर रखने वाले उच्च माध्यमिक स्तर के बालकों के जोखिमपूर्ण व्यवहार में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।" को अस्वीकृत किया जाता है।

तालिका संख्या – 2(C)

औसत व निम्न आकांक्षा स्तर रखने वाले उच्च माध्यमिक स्तर के बालकों के जोखिमपूर्ण व्यवहार पर प्राप्त क्रान्तिक अनुपात (CR) मान

आकांक्षा स्तर	बालकों की संख्या	जोखिमपूर्ण व्यवहार का मध्यमान	जोखिमपूर्ण व्यवहार का मानक विचलन	df	'CR' मान	.05 सार्थकता स्तर पर निष्कर्ष
औसत	189	147.62	17.05	223	5.77	सार्थक
निम्न	36	127.64	27.45			

***0.05 सार्थकता स्तर पर 'CR' का सारणी मान = 1.96**

परिणाम की विवेचना :– उपरोक्त परिकल्पना के सत्यापन के पश्चात् परिणाम इंगित करते है कि उच्च तथा औसत आकांक्षा स्तर रखने वाले बालकों के जोखिमपूर्ण व्यवहार में सार्थक अन्तर व्याप्त है। उच्च आकांक्षा स्तर रखने वाले बालकों का जोखिमपूर्ण व्यवहार, औसत आकांक्षा स्तर रखने वाले बालकों के जोखिमपूर्ण व्यवहार से अधिक है। जो कि प्रेरणा का स्तर, आकांक्षा स्तर, तार्किक चिन्तन, स्वास्थ्य, सामान्य जानकारी, उपलब्धि, विकास व प्रदर्शन के लिये प्रयासरत रहना, मित्र समूह, अत्यधिक पाने की चाह, स्वतन्त्रता, प्रतिस्पर्धात्मक प्रवृत्ति, जीवन शैली, शिक्षा व व्यवसाय के प्रति चिन्ता इत्यादि पर निर्भर करता है।

निष्कर्षः–

उपरोक्त शोध में पाया गया कि प्राप्त उच्च आकांक्षा स्तर, औसत आकांक्षा स्तर व निम्न आकांक्षा स्तर के सभी बालकों का जोखिमपूर्ण व्यवहार समान नहीं है उच्च आकांक्षा स्तर रखने वाले बालकों का जोखिमपूर्ण व्यवहार, औसत व निम्न आकांक्षा स्तर रखने वाले बालकों के जोखिमपूर्ण व्यवहार से अधिक है। औसत आकांक्षा स्तर वाले बालकों का जोखिमपूर्ण व्यवहार, उच्च आकांक्षा स्तर रखने वाले बालकों के जोखिमपूर्ण व्यवहार से कम तथा निम्न आकांक्षा स्तर रखने वाले बालकों के जोखिमपूर्ण व्यवहार से अधिक है। निम्न आकांक्षा स्तर रखने वाले बालकों का जोखिमपूर्ण व्यवहार उच्च व औसत आकांक्षा स्तर रखने वाले बालकों के जोखिमपूर्ण व्यवहार से कम है। इस प्रकार उच्च आकांक्षा स्तर रखने वाले बालकों का जोखिमपूर्ण व्यवहार सर्वाधिक, औसत आकांक्षा स्तर रखने वाले बालकों का उससे कम तथा निम्न आकांक्षा स्तर रखने वाले बालकों का जोखिमपूर्ण व्यवहार सबसे कम है अतः आकांक्षा स्तर के तीनों स्तरों का बालकों के जोखिमपूर्ण व्यवहार पर सार्थक प्रभाव पड़ रहा है। प्रस्तुत शोध अध्ययन शिक्षा के क्षेत्र में उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के जोखिम पूर्ण व्यवहार के लिए आकांक्षा स्तर के महत्व को दर्शाता है।

सन्दर्भ सूची :–

Abdelrazek, O. H. G. (2016). Level of aspiration, critical thinking and future anxiety as predictors for the motivation to learn among a sample of students of Najran university. *International Journal of Education and Research, 4*(2), 61-70.

Kumar, S. & Gupta, M. (2014). A comparative study of level of educational aspiration of secondary class students of government and non-government schools. *Vsrd International Journal of Technical & Non-Technical Research, 5*(1), 1-3.

Malik, U. & Yogesh. (2014). A study of the effect of self-confidence on risk taking behaviour among senior secondary school students. Gjra - global journal for research analysis, 3(12), 39-40.

Pathak Sangeeta, N. (2014). A study of level of aspiration and achievement motivation of College Students. *Shrinkhala*. 2(4). 13-15.

Rajesh, V. R. & Chandrasekaran, V. (2014). Educational aspirations of high school students. *Indian Journal of Applied Research*. 4(12). 4-6.

Roeser, Katherine A. (2013). Personal and social factors in risk-t aking behaviors of emerging adults, Wayne State University Dissertations. Paper 693.

Venkateswarlu, N. (2016). A study of the level of aspirations among the adolescents (+2 students). *International Journal of Multidisciplinary Educational Research. 5*(12-4), 75-82.

How to cite reference of this paper-

Kumar, S. (2022). उच्च माध्यमिक स्तर के बालकों के आकांक्षा स्तर का उनके जोखिम पूर्ण व्यवहार पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन. *Educational Metamorphosis, 1*(2), 67-75.